GAIL (India) Limited

India's Youngest Maharatna

India's No.1 Natural GAS Company

33वीं वार्षिक आम बैठक
33rd Annual General Meeting

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य
Address of Chairman & Managing Director

12 सितम्बर, 2017
12th September, 2017

नवजीवन · नवस्पंदन · नवनिरूपण

Rejuvenate · Resonate · Redefine

गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का एजीएम भाषण

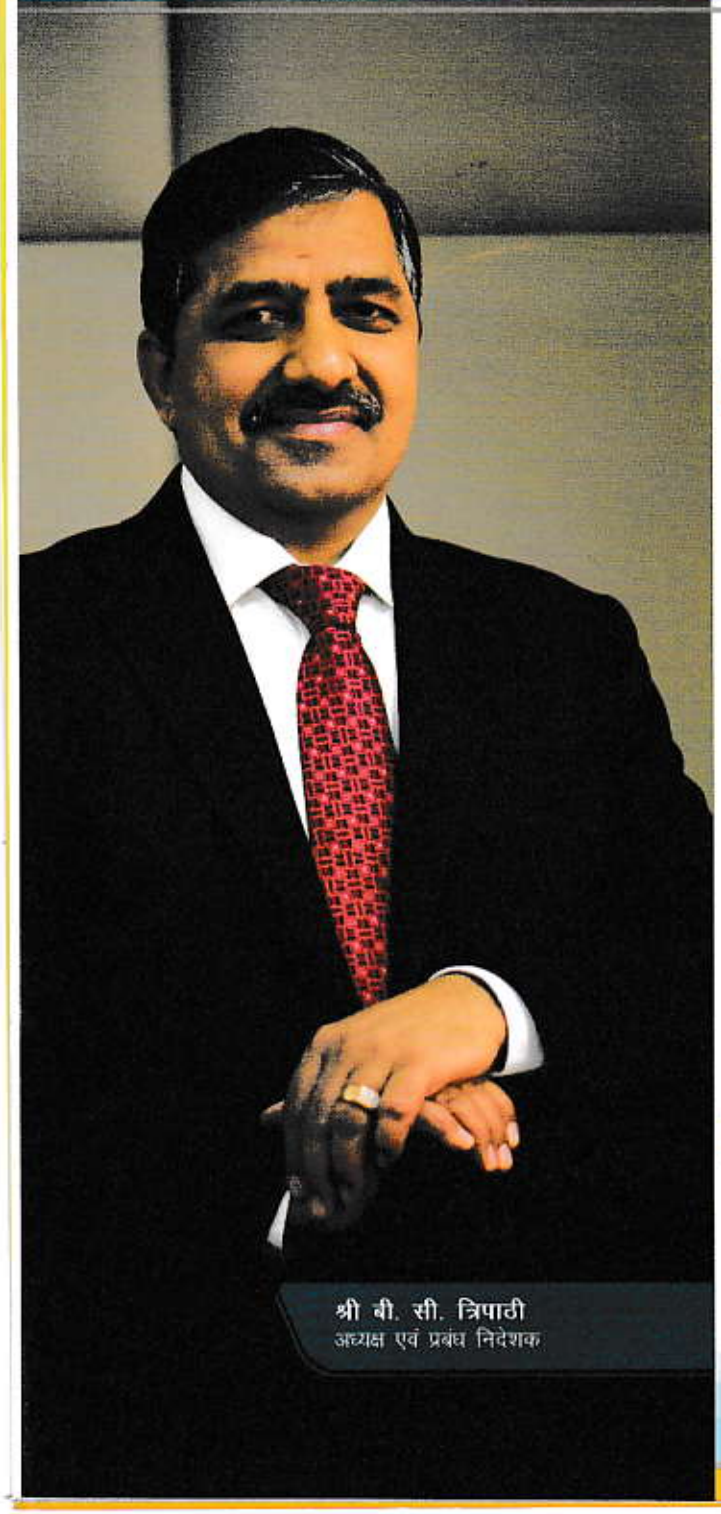

श्री बी. सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रिय शेयर स्वामियों,

देवियों और सज्जनो!

सुप्रभात, गेल की 33वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। आपकी उपस्थिति वास्तव में आपकी कंपनी की प्रगति में आपकी गहन भागीदारी का परिचायक है। गेल के निदेशक मंडल की ओर से, मैं आज हमारे साथ शामिल होने के लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट और एजीएम नोटिस को आपको पहले ही परिचालित किया जा चुका है और आपकी अनुमति से मैं उसे पढ़ा हुआ मान रहा हूं।

वित्तीय निष्पादन उपलब्धियां

जैसा कि आपने वार्षिक रिपोर्ट से यह अनुमान लगा लिया होगा, कि वर्ष 2016-17 में गेल के लिए राष्ट्रीय गैस ग्रिड पर प्रमुख पाइपलाइन परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाना, पेट्रोरसायन यूनिट की क्षमता का रिकॉर्ड उत्पादन एवं बिक्री और पाइपलाइन परिसंपत्तियों का अधिकतम उपयोग महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं।

समीक्षा वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी की लाभप्रदता पीबीटी स्तर पर लगभग 77% तक बढ़ी है, तथा इसमें प्रमुख कारोबार में मार्जिन को बढ़ाए जाने, और महानगर गैस लिमिटेड में आंशिक विनिवेश पर आईपीओ से प्राप्त आय के कारण भी बढ़ी है।

आपकी कंपनी ने सबसे ज्यादा लाभांश की घोषणा करते हुए वर्ष के दौरान 1535 करोड़ रुपए वितरित किए। शेयर मालिकों द्वारा व्यक्त की गई आस्था के कारण मार्च 2017 तक धारित शेयरों के लिए 1:3 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।

चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के परिणामों के आधार पर, सकल मार्जिन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन, पेट्रोरसायनों और एलपीजी खंडों की वास्तविक मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत सरकार द्वारा समर्थित पीएसडीएफ योजना को बंद किए जाने के कारण, प्राकृतिक गैस व्यापार क्षेत्र में गिरावट हुई है। आपकी कंपनी ने लगभग आरजीपीपीएल निवेश के कारण लगभग 850 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति हानि को भी समायोजित किया है। परिसंपत्ति का विलय हटाने की प्रक्रिया चल रही है तथा इसे स्वतंत्र व्यवसाय कंपनियों के रूप में एलएनजी और पॉवर ब्लॉक के रूप में विभाजित किया जाएगा।

व्यवसाय का प्रचालन संदर्भ

चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास की दर पिछले वर्ष प्राप्त की गई प्रगति के आस-पास होने की उम्मीद है, जिससे गैस खुदरा बिक्री में विकास की संभावनाओं में काफी वृद्धि हुई है। बल्क बिक्री/संस्थागत व्यवसाय खंड, उर्वरक क्षेत्र की वर्तमान क्षमता का विस्तार होने के कारण सामान्य रूप से बढ़ रहा है। वर्ष 2018 से 2020 तक के दौरान क्षेत्र द्वारा गैस उठान में वास्तविक वृद्धि तब होने की संभावना है जब उर्वरक उत्पादन की नई क्षमताएं उत्तरोत्तर कार्य करने लगेंगी।

विद्युत उत्पादन, कैप्टिव और वितरित ऊर्जा (थर्मल और ईंधन सेल प्रौद्योगिकी के माध्यम से) में गैस के उपयोग का ढांचागत मुद्दों के कारण दोहन नहीं हो पाया है, जिसका विद्युत क्षेत्र में शीघ्र समाधान किए जाने की आवश्यकता है। विभिन्न राज्यों में सौर आधारित बिजली प्रौद्योगिकियों के आने से इस क्षेत्र में शोध कार्य चल रहा है। स्वच्छ जीवाश्म ईंधन के रूप में, प्राकृतिक गैस भारत के विकास की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्राकृतिक गैस आधारित ईंधन सेल सहित अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के रूप में व्यापक लाभ प्रदान करती है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आपकी कंपनी सरकार में नीति निर्माताओं के साथ मिलकर कार्य कर रही है। परिणामस्वरूप, भारतीय रेलवे को 500 मेगावाट गैस आधारित बिजली का उत्पादन करने के लिए आरजीपीपीएल के विद्युत खंड के साथ एक अभिनव गैस आपूर्ति करार की रूपरेखा तैयार की गई है।

भारत सरकार ने देश में गैस–आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार की कल्पना की है और इस दिशा में विभिन्न पहलों की शुरुआत की गई है। मिशन मोड पर, स्मार्ट और स्वच्छ जीवन शैली सुनिश्चित करने के लिए परिवार और परिवहन क्षेत्रों में पीएनजी कनेक्टिविटी और सीएनजी रूपांतरणों को सुदृढ़ करने के लिए सिटी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इस प्रयास को पूरा करने के लिए गेल को अपने विभिन्न संयुक्त उद्यमों और सहायक सीजीडी कंपनियों के साथ समन्वय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गेल, केन्द्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि उद्योगों/व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्राकृतिक गैस के साथ प्रदूषणकारी ईंधन का प्रतिस्थापन सुनिश्चित किया जा सके जो एक बढ़िया और दक्ष ईंधन है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस/ प्राकृतिक गैस (एलएनजी/एनजी) में उत्सर्जन के उच्चतर मानकों के अनुरूप होने की अंतर्निहित विशेषता है और इसलिए यह आने वाले समय में परिवहन और अन्य क्षेत्रों में यह एक पसंदीदा ईंधन साबित हो सकता है।

इस भावना को आगे बढ़ने के लिए, माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री द्वारा बेंगलुरु में 18 जून 2017 को सिलिकन सिटी के नागरिकों को सिटी गैस परियोजना समर्पित की थी। भारत सरकार और राज्यों द्वारा बल दिए जाने और उनकी सहायता के कारण, सीजीडी परियोजना को वर्तमान वर्ष के दौरान वाराणसी में चालू करने का लक्ष्य रखा गया है, जो कम से कम 12 महीने पहले पूरा हो रहा है। इसी प्रकार, ओडिशा राज्य की राजधानी तक पाइपलाइन कनेक्टिवविटी के पहुंचने से पहले अंतरिम व्यवस्था के रूप में अभिनव उपायों के माध्यम से सिटी गैस सेवाएं शुरू करने के लिए भुवनेश्वर सीजीडी परियोजना का कार्य चल रहा है। जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो –धमरा (जेएचबीडीपीएल) पाइपलाइन परियोजना के साथ तालमेल बनाते हुए पूर्वी भारत के अन्य पांच अधिकृत नगरों में अनुसूची अनुसार सीजीडी कनेक्टिविटी कार्यकलाप भी चल रहे हैं।

भारत 1 जुलाई 2017 से माल और सेवा कर के शुरू होने के साथ अपने अप्रत्यक्ष कर कोड में महत्वपूर्ण बदलाव का साक्षी रहा है। गैस ट्रांसमिशन, पेट्रोकेमिकल्स और एलएचसी व्यापारिक क्षेत्रों ने सफलतापूर्वक नई पद्धतियों को अपनाया है। एक स्वच्छ ऊर्जा विकल्प के रूप में प्राकृतिक गैस की खपत को बढ़ाने को तभी प्रोत्साहन मिल सका है यदि जीएसटी सुधारों में वस्तुओं को भी शामिल किया जाए। प्राकृतिक गैस को जीएसटी में शामिल करने से इसे बाजार के उतार–चढ़ाव से बचाकर रखा जा सकता है, जहां वर्तमान में प्रदूषण फैलाने वाला ईंधन वाणिज्यिक दृष्टि से इस क्षेत्र में विभिन्न उपभोक्ताओं को फायदा पहुचा रहा है। हमें उम्मीद है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस को बढ़ाने के लिए जल्द ही इसमें व्याप्त असंतुलन दूर हो जाएगा।

प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के अंतर्गत प्रगति

आपको याद होगा कि 32वें एजीएम के दौरान, मैंने आपको बताया था कि आपकी कंपनी को राष्ट्रीय गैस ग्रिड के अंतर्गत प्रतिष्ठित पाइपलाइन जेएचबीडीपीएल परियोजना के निष्पादन के लिए भारत सरकार से सहायता के रूप में 40% पूंजीगत अनुदान प्राप्त हुआ है। मुझे आपके साथ यह बात साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि परियोजना समय अनुसूची के अनुरूप कार्य कर रही है, और कुछ पहलुओं में, परियोजना इंजीनियर विशेष रूप से वाराणसी और भुवनेश्वर सिटी गैस परियोजनाओं के लिए निर्धारित तारीखों से पहले नए लक्ष्यों को पूरा करने के उद्देश्यों की दिशा में काम कर रहे हैं।

प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा मेगा परियोजना के अंतर्गत विभिन्न आपूर्ति स्थलों के साथ जुड़ने की आवश्यकता के अनुरूप, पाइपलाइन के पश्चिमी छोर से स्थिर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विजयपुर–औरैया पाइपलाइन खंड को उन्नत किया जा रहा है तथा पूर्वी छोर से गैस को इंजेक्ट करने के लिए, धमरा एलएनजी परियोजना निष्पादित की जा रही है। आपकी कंपनी ने 1.5 एमएमटीपीए की क्षमता निर्धारित करने के लिए एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

आपकी कंपनी निर्माणाधीन उर्वरक संयंत्रों को आरएलएनजी/एनजी आपूर्ति शुरू करने जा रही है, जिसका गोरखपुर, बरौनी और सिंदरी में पुनरुद्धार हो रहा है। इसके अलावा, गेल ने भी दुर्गापुर में एक निजी उर्वरक इकाई के साथ आपूर्ति करार किया है और 2019 तक पाइपलाइन खंड शुरू होने पर गैस की आपूर्ति की जाएगी। उर्वरक क्षेत्र को अतिरिक्त गैस आपूर्तियों के 2018-19 के बाद से उत्तरोत्तर बढ़ने की संभावना है।

कुल मिलाकर, गेल उर्वरक, विद्युत, पेट्रोरसायनों, औद्योगि, सीजीडी क्षेत्रों की विभिन्न इकाइयों में गैस आपूर्तियों को बढ़ाने के लिए तैयारी कर रहा है जो सीवाई 2018 के बाद से 3 एमएमटीपीए एलएनजी के बराबर हो जाएगा।

दक्षिण भारत में ट्रंक लाइन परियोजनाएं

गेल ने 2018-19 के दौरान केकेएमबीपीएल परियोजना के अंतर्गत कोच्चि से मैंगलोर खंड तक परियोजना निष्पादन शुरू किया है। यह स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को अपनाने के लिए उर्वरक उद्योग और अन्य संभावित औद्योगिक/व्यावसायिक इकाइयों को गैस की आपूर्ति की सुविधा प्रदान करेगा।

आपकी कंपनी ने 2018-19 से कर्नाटक सरकार के येलहका आधारित बिजली संयंत्र को गैस की आपूर्ति शुरू करने के लिए करार किया है। दाभोल–बेंगलुरु पाइपलाइन में कनेक्टिविटी का कार्य चल रहा है।

एलपीजी ट्रांसमिशन का उन्नयन तथा एलपीजी/एलएचसी उत्पादन

जामनगर–लोनी के एलपीजी ट्रांसमिशन नेटवर्क को अगले वित्तीय वर्ष के बाद से 40% अतिरिक्त क्षमता को संभालने के लिए अपग्रेड किया जा रहा है और इसमें 3.5 एमएमटीपीए थ्रूपुट को सहायता प्रदान करने की संचयी क्षमता होगी। एलपीजी और एलएचसी उत्पादन के लिए प्रोसेस विन्यास में समृद्ध गैस और सुधार की उपलब्धता में उचित वृद्धि के कारण, वर्तमान वर्ष के बाद से उच्चत थ्रूपुट प्राप्त हुआ है ताकि आपकी कंपनी के व्यवसाय खंड में विकास को बनाए रखा जा सके।

पेट्रोकेमिकल्स

आपकी कंपनी पॉलिमर्स के भारतीय प्रोसेसरों को पेट्रोकेमिकल्स के विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाले ग्रेड की आपूर्ति करने के लिए पाटा और ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) संयंत्रों से उत्पाद के आधार पर उसकी क्षमता का लाभ उठा रही है। विदेशी बाजारों में अवसरों का पता लगाने के लिए पड़ोसी देशों में उत्पादों का भी निर्यात किया जा रहा है, क्योंकि हम घरेलू बाजार में अपनी बढ़ी हुई उपस्थिति सुनिश्चित करना चाहते हैं। ऐसी संभावना है कि चालू वित्त वर्ष में आपकी कंपनी के इस व्यवसाय खंड में उत्पादन और बिक्री के नए मानक स्थापित हो जाएंगे।

एलएनजी/एनजी व्यापार

गेल एलएनजी/आरएलएनजी मात्रा के साथ करार करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है जो सीवाई 2018 से अपस्ट्रीम अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं से प्राप्त होंगी। भारत में तथा विदेशी केन्द्रों पर विपणन टीमों के प्रयासों ने विभिन्न प्रणालियों के माध्यम से सीवाई 2018 के बाद एलएनजी की व्यापक मात्रा के लिए बिक्री करार सुनिश्चित किया है। एलएनजी मात्रा के बाजार के उपायों के रूप में नए करार ढांचे जैसे समयानुसार अदला–बदली, गंतव्य स्थान की अदला–बदली और पोत अनुकूलन को अपनाया गया है। जैसा कि मैंने साझा किया है, घरेलू बाजार में किए गए प्रयाससें से बाधाएं दूर होने लगी हैं और इन्होंने किफायती मूल्य निर्धारण श्रृंखला में संभावित खरीदारों का मात्रा संबंधी चैनल बनाने में मदद की है।

शासन का आधार

सभी शेयरधारकों के लिए मूल्य का सृजन करते समय, आपकी कंपनी पारदर्शी और नैतिक शासन प्रथाओं के उच्चतम मानकों को बनाए रखे हुए है। साक्ष्य के रूप में, गेल ने लगातार 8वें वर्ष वित्त वर्ष 2016-17 के लिए सीएजी से 'शून्य' टिप्पणियां प्राप्त की हैं।

वर्ष के दौरान, गेल को सूचीबद्ध सार्वजनिक क्षेत्र श्रेणी के अंतर्गत एसोचैम कॉर्पोरेट गवर्नेंस सम्मिट सह उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

सीएसआर में... उपलब्धियां हासिल करते हुए

गेल एकमात्र पीएसयू है जिसे 'इकॉनॉमिक टाइम्स 2 गुड सीएसआर रेटिंग' द्वारा 'ऑल राउंड एक्सलेंस' श्रेणी से सम्मानित किया गया है।

आपकी कंपनी ने अपने विभिन्न सीएसआर विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत लगभग पांच लाख लोगों तक अपनी पहुंच बनाई है। हमारे सीएसआर कार्यक्रम 'उत्कर्ष' ने एक बार फिर बेहतरीन परिणाम दिए हैं, जिनमें से 95% ने जेईई मेन परीक्षा उत्तीर्ण की है। आपकी कंपनी ने भारत सरकार के 'स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थल' (एसआईपी) पहल के अंतर्गत ताजमहल, आगरा को गोद लिया है, जो कि देश में शीर्ष 10 विरासत और प्रतिष्ठित स्थलों में स्वच्छता को प्रोत्साहित करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री के विजन से प्रेरित है।

गेल ने स्वच्छ वायु के लिए 'हवा बदलो' नामक एक डिजिटल पहल शुरू की है जिससे 20 मिलियन भारतीयों को फायदा होगा, और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर इसके 2 मिलियन से अधिक समर्थक हैं। ये जन भागीदारी के माध्यम से बेहतर कल का सृजन करने का सपना साकार करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

मिलकर विकास

उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में से चुनने की उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं के बदलते परिदृश्य को देखते हुए, गेल भारत की ऊर्जा बास्केट में स्थायी ऊर्जा और विकास सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के दोहरे मिशन में सहायता देने के लिए प्राकृतिक गैस की खपत में वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु कार्यनीति और सेवाओं में खोज कर रहा है।

भारतीयों, विशेषकर प्रतिभाशाली युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, गेल ने हमारी स्वच्छ ऊर्जा पहल का समर्थन करने वाले नए उद्यमों की पहचान करने और उन्हें निधियां देने के लिए 'पंख' नामक एक स्टार्ट–अप पहल की है।

हाइड्रोकार्बन क्षेत्र के दौरान वर्तमान निवेश और योजनाबद्ध परियोजनाओं से आपकी कंपनी के लिए विकास की नई लहर पैदा होगी और वैश्विक गैस ऊर्जा प्रमुख कंपनियों के बीच अपनी स्थिति सुदृढ़ होगी। ओडिशा में तलचर उर्वरक परियोजना के अंतर्गत पर्याप्त परियोजना–पूर्व कार्यकलाप चल रहे हैं और इसके अलावा आपकी कंपनी पेट्रोरसायन व्यवसाय वर्टिकल का विस्तार करने के लिए दक्षिण भारत में ग्रीन–फील्ड निवेश अवसरों की भी तलाश कर रही है।

प्राकृतिक गैस का भविष्य बहुत ही रोचक बनने जा रहा है क्योंकि खुदरा खंड में पर्याप्त गतिविधियां चल रही हैं। वर्तमान विकास से बहुआयामी विकास होने की उम्मीद है और यह ऐसे अवसरों को आकार दे रहा है जिससे बेहतर भविष्य के लिए नई प्रौद्योगिकियां बनेंगी।

आभार

यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता और गेल के प्रयासों के लिए निरंतर समर्थन करने के लिए आपका धन्यवाद करने का मौका मिला है। मैं इस अवसर पर केन्द्र सरकार के विभागों, विशेषकर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, राज्य सरकारों, विनियामक और वैधानिक प्राधिकारियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

बोर्ड की ओर से, मैं गेल की उपलब्धियों को साकार करने में आपकी कंपनी के कर्मचारियों की बहुमूल्य सेवाओं के लिए हृदय से सराहना करता हूं।

आपके योगदान के मान्यता स्वरूप, गेल बोर्ड सम्मानित ग्राहकों, व्यापार सहयोगियों, माल का स्टॉक रखने वालों, विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं, जो आपकी कंपनी के विकास में सहायता और सुदृढ़ता प्रदान करने का एक प्रमुख स्रोत रहे हैं, के प्रति आभार व्यक्त करता है।

देवियों और सज्जनों आप सभी का धन्यवाद।

त्रिपाठी

श्री बी. सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणी : नई दिल्ली में दिनांक 12 सितम्बर 2017 को आयोजित 33वीं आम सभा में दिए गए अध्यक्ष के भाषण का उद्धरण। यह वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही का रिकार्ड नहीं है।

AGM Speech of Chairman and Managing Director

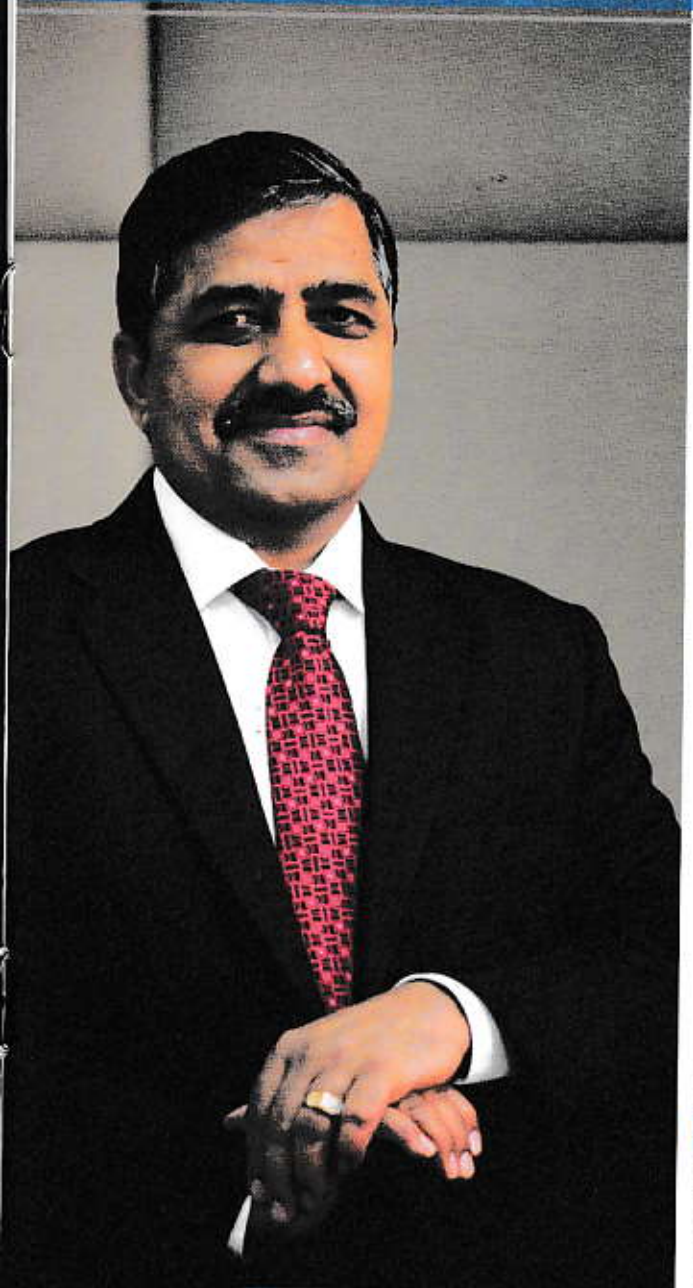

Shri B. C. Tripathi
Chairman & Managing Director

Dear Share Owners,

Ladies and Gentleman!

Good Morning! I welcome you to the 33rd Annual General Meeting of GAIL. Your presence is indeed a reflection of your keen involvement in your Company's progress. On behalf of the Board of Directors of GAIL, I thank you for joining us today.

Annual Report for the financial year ending March 31, 2017 and the AGM notice have been circulated in advance and with your permission, I consider them as read.

Financial Performance Highlights

As you would have assessed from the Annual Report, the year 2016-17 has been a defining period for GAIL with momentum on major pipeline projects on national gas grid, record production & sales of petrochemicals, higher capacity utilisation of pipeline and hydrocarbon assets.

During the year of review, your Company's profitability has increased by nearly 77% at PBT level due to enhanced contribution in margins from core businesses and also on account of IPO proceeds on partial divestment in Mahanagar Gas Ltd.

Your Company declared the highest ever dividend, distributing ₹1535 crore during the year. In recognition of the faith reposed by the share-owners, Bonus Shares were also issued in ratio of 1:3 for shares held during March 2017.

Based on the Q1 results of the on-going fiscal year, gross margin has shown a growth of over 9% versus the previous year's corresponding period with a significant growth in the physical volumes in natural gas transmission, petrochemicals and LPG segments. Due to the discontinuation of the Government of India (GoI) backed PSDF scheme for the power sector, natural gas trading segment witnessed a dip. Your Company has on a one-time basis adjusted the asset impairment of about ₹850 crore on account of RGPPL investment. The asset is under demerger process and shall be split into LNG and power blocks as independent business entities.

Operating Context of Businesses

As the pace of economic growth for the current fiscal is projected to be in the vicinity of progress achieved during the last fiscal year, prospects of growth for gas retailing augur significant uptrend.

In the bulk sales/institutional segments, fertilizer sector is moving towards a new normal due to on-going capacity addition. Next wave of real increment in gas offtake by the sector is expected once the newer capacities of fertilizer production get progressively commissioned during 2018 to 2020.

Huge potential for use of gas in power generation, captive and distributed (through thermal & fuel cell technology) remains untapped due to structural issues that need early resolution in the power sector. Power sector is also witnessing a churn due to ingress of solar based power technologies across various States. As a cleaner fossil fuel, natural gas offers tremendous advantages for complementing renewable energy technologies including Natural Gas based fuel cells for powering India's growth aspirations. Your Company is working with the policy makers in the Government towards this objective. As a result of pursued efforts, an innovative gas supply contract has been structured for the power block of RGPPL so as to generate 500 MW gas based electricity for the Indian Railways.

Government of India has envisioned a target of expanding gas based economy in the country and various initiatives have been undertaken in this direction. On a mission mode, City Gas Distribution networks (CGD) are being expanded to strengthen Piped Natural Gas (PNG) connectivity and Compressed Natural Gas (CNG) conversions in the household and transportation sectors for ensuring smart and cleaner way of life. GAIL has been entrusted with the responsibility of co-ordinating with the various CGD companies under its JV and Subsidiary towards fructifying this endeavour. GAIL is also working with various departments of the Central & State Governments to ensure replacement of polluting fuels in industries/ commercial establishments with natural gas as a benign & efficient fuel. Liquefied Natural Gas/ Natural Gas (LNG/NG) have an inherent advantage of being compliant to higher standards of emission and could therefore prove to be choicest fuels for transportation and other sectors in times to come.

Moving in this spirit, City Gas project at Bengaluru was dedicated to the citizens of the silicon city by Hon'ble Minister of P&NG on 18th June 2017. Due to the thrust and support of GoI and States, CGD project at Varanasi is targeted for commissioning during the current year, ahead of schedule by atleast 12 months. At the same time, Bhubaneswar CGD project is under progress to commence city gas services during the year through innovative measures as an interim arrangement before the pipeline connectivity reaches the Odisha State capital. CGD connectivity activity is also progressing as per schedule in other five authorised cities of Eastern India for commissioning in synchronous with *Jagdishpur-Haldia-Bokaro-Dhamra* (JHBDPL) pipeline project.

India has been witness to a monumental shift in its indirect tax code with the roll-out of Goods & Services Tax from 1st July 2017. Gas transmission, Petrochemicals and LHC business segments have successfully migrated to the new modality. The vision of accelerating consumption of natural gas as a cleaner energy option could get a boost if the GST reform is extended to cover the commodity. GST for natural gas shall help remove market distortions as polluting fuels currently tend to be commercially more beneficial for the consumers. We are hopeful, that the imbalances could soon be addressed to aid growth of natural gas in crucial segments of Indian economy.

Progress under Pradhan Mantri Urja Ganga Project

You would recollect that during the 32nd AGM, I shared about the support received by your Company towards execution of the prestigious pipeline project under national gas grid, JHBDPL project with 40% capital grant from GoI. It gives me immense pleasure in sharing with you that the project has been progressing as per schedule and in some aspects the project engineers have been working towards newer targets to meet objectives ahead of milestone dates especially for Varanasi and Bhubaneswar city gas projects.

In step with the need to connect with various supply points as envisaged under the Pradhan Mantri Urja Ganga mega project, Vijaipur-Auraiya pipeline segment is being upgraded for ensuring steady gas throughput from western end of the pipeline and for injecting gas from Eastern end, Dhamra LNG project is underway for synchronous execution. Your Company has executed a MoU for booking 1.5 MMTPA capacity.

Your Company has tied-up RLNG/NG supply to the upcoming fertilizer plants that are under revival at Gorakhpur, Barauni and Sindri. In addition, GAIL has also tied-up supply contracts with a private fertilizer unit at Durgapur and Kota. Gas supplies shall commence upon commissioning of the pipeline segment by 2019. Additional gas supplies to fertilizer sector are expected to progressively pick-up from 2018-19 onwards.

Overall, GAIL is gearing up to augment gas supplies across various units of fertilizer, power, petrochemicals, industrial, CGD sectors equivalent to over 3 MMTPA of LNG starting CY 2018.

Trunk Line projects in South of India

GAIL has commenced project execution in the Kochi to Mangaluru stretch of the KKMBPL project and is targeted for commissioning during 2018-19. This shall facilitate gas supplies to the fertilizer, refinery, petrochemicals sectors at Mangaluru in addition to opening up potential opportunities for gas supply in other industrial/ commercial units and support switch over to cleaner energy options.

Your Company has tied-up for commencement of gas supplies to Yelahanka based power plant of Government of Karnataka from 2018-19. Connectivity is under progress from the Dabhol-Bengaluru pipeline.

Upgrading LPG Transmission & LPG/LHC output

The LPG transmission network of Jamnagar-Loni is being upgraded to handle 40% additional capacity from the next fiscal year onwards and shall have a cumulative capacity to support a through-put of 3.5 MMTPA.

Due increase in availability of rich gas and modifications in the process configuration for LPG & LHC production, higher throughput is received from the current year

onwards so as to contribute growth for this business segment of your Company.

Petrochemicals

Your Company is leveraging the product strength based on the product slate from Pata and Brahmaputra Cracker & Polymer Ltd (BCPL) plants for supplying world-class quality grades of petrochemicals to the Indian processors of polymers. Products are also being exported to neighbouring countries to explore market opportunities overseas as we seek to ensure enhanced presence in the domestic market space. It is expected that the current fiscal year shall close with yet newer record of production and sales in this segment of business of your Company.

LNG/NG Business

GAIL has been relentlessly working to tie up LNG/RLNG volumes that shall accrue from upstream international commitments from CY 2018. Efforts of the marketing teams in India and at overseas stations have successfully ensured in contracting sales of a major chunk of LNG volumes through various mechanisms starting CY 2018. Innovative contracting structures such as time swap, destination swap and shipping optimisation have been executed as measures to market LNG volumes. Efforts as I have shared in the domestic market are also gaining traction and have helped in channelling volumes to potential buyers at cost efficient pricing.

Governance Bedrock

Your Company has been upholding highest standards of transparent & ethical governance practices while creating value to all the stakeholders. In testimony, for 8th year in succession, GAIL has received 'NIL' comments from the CAG for FY 2016-17.

During the year, GAIL was conferred ASSOCHAM Corporate Governance Summit cum Excellence Award under Listed Public Sector Category.

Winning ... the CSR way

GAIL as the only PSU was conferred with the 'All Round Excellence' category by "Economic Times 2 Good CSR Rating".

Your Company has touched over half a million lives through its various CSR development programmes. *Our CSR program 'Utkarsh' has yet again delivered outstanding results with 95% of the candidates qualified for JEE Mains.* Your Company has adopted Taj Mahal, Agra under the "Swachh Iconic Place" (SIP) initiative of the Government of India which is inspired by the vision of Hon'ble Prime Minister to promote and enhance cleanliness across the top 10 heritage and iconic sites in the country.

'#HawaBadlo' digital initiative towards ensuring public awareness for cleaner air has an outreach of 20 million Indians with advocates aggregating over 2 million across social media platforms. These are encouraging shoots of promise for creating a better tomorrow through public participation.

Together we grow...

In a changing landscape of consumer aspirations amidst a milieu of alternatives, GAIL is re-inventing strategy and services to ensure growth of natural gas consumption in India's energy basket for supporting GoI's twin mission of ensuring sustainable energy and growth.

In spirit of nurturing entrepreneurship among Indians especially the talented youth, GAIL has launched a Start-up initiative 'Pankh' to identify and fund innovative ventures that support our clean energy initiatives.

On-going investments and planned projects across the hydrocarbon sector shall be creating the next wave of growth for your Company and embolden its position amongst the global gas energy majors. Significant pre-project activity is in progress under the Talcher Fertilizer project at Odisha and in addition your Company is also examining green-field investment opportunities in South India for expanding the Petrochemicals business vertical.

The future is set to be very exciting for natural gas as retail segment is witnessing tremendous action. On-going developments hold promise of multi-fold growth and are also shaping avenues that could complement newer technologies for a better tomorrow.

Acknowledgement

I have the privilege to thank you for your conviction and continued patronage to GAIL's endeavours. I take the opportunity to convey my deepest gratitude to the Central Government departments especially to MoPNG, State Governments, regulatory and statutory authorities for constantly supporting your Company and playing a facilitative role.

On behalf of the Board, I express my sincere appreciation for the valuable services of the employees of your Company in shaping GAIL's achievements.

In recognition to the contribution, GAIL Board conveys its gratitude to the valued customers, business associates, consignment stockists, vendors and service providers who have been a great source of support and strength in the development and growth of your Company.

Thank you, Ladies and Gentlemen.

B. C. Tripathi
Chairman & Managing Director

Note: Excerpts from the Chairman's speech at the 33rd Annual General Meeting held on the 12th September, 2017 at New Delhi. This does not purport to be a record of the proceedings of the Annual General Meeting.

GAIL (India) Limited

Regd. Off. : 16, Bhikaiji Cama Place, R.K. Puram, New Delhi-110066
Website : www.gailonline.com
Corporate Identification No.: L40200DL1984GOI018976